



UNCTAD ग्लोबल इन्वेस्टमेंट ट्रेंड्स मॉनटर रपिर्ट

प्रलमिस के लयि:

प्रत्यक्ष वदिशी नविश, व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCTAD), 2024 के लयि ग्लोबल इन्वेस्टमेंट ट्रेंड्स मॉनटर, उद्योग और आंतरकि व्यापार संवर्द्धन वभिग, सतत् विकास लक्ष्य (SDG) ।

मेन्स के लयि:

वैश्वकि FDI रुझान, भारत का प्रत्यक्ष वदिशी नविश (FDI), विकास में FDI की भूमकि ।

[स्रोत: UNCTAD](#)

चर्चा में क्यों?

व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCTAD) ने वर्ष 2024 के लयि अपना ग्लोबल इन्वेस्टमेंट ट्रेंड्स मॉनटर जारी कयि है, जसिमें वैश्वकि प्रत्यक्ष वदिशी नविश (FDI) में 8% की गरिावट दर्ज की गई है ।

- इससे बुनयिादी ढाँचे और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों के लयि वतित पोषण पर खतरा उत्पन्न हो गया है, जो [सतत् विकास लक्ष्यों \(SDG\)](#) को प्राप्त करने के लयि आवश्यक हैं ।

व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCTAD)

- परचिय:
 - यह वर्ष 1964 में स्थापति संयुक्त राष्ट्र की **अग्रणी संस्था** है, जो विकासशील देशों के व्यापार और विकास पर केंद्रति है ।
 - यह सतत् विकास को बढ़ावा देने के लयि व्यापार, नविश, वतित और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण से संबंधति मुद्दों पर **पस्वशेषज्ञता और नीति सलाह** प्रदान करता है ।
- मुख्यालय: जनिवा, स्विट्ज़रलैंड ।
- संरचना: यह संयुक्त राष्ट्र सचवालय का एक हसिा है, महासभा और आर्थकि एवं सामाजकि परिषिद को रपिर्ट करता है; इसकी अपनी सदस्यता, नेतृत्व और बजट है ।
- प्रमुख रपिर्टें:
 - [व्यापार और विकास रपिर्ट](#)
 - [वशिष नविश रपिर्ट](#)
 - [डजिटल अर्थव्यवस्था रपिर्ट](#)
 - [प्रौद्योगिकी और नवाचार रपिर्ट](#)

UNCTAD सहायता

UNCTAD विभिन्न देशों को विकास में मदद करने के लिये कई महत्वपूर्ण विषयों पर सहायता प्रदान करता है।



1

विकास चुनौतियाँ

UNCTAD गरीबी, असमानता, और जलवायु परिवर्तन जैसी प्रमुख विकास चुनौतियों का समाधान करने में मदद करता



2

व्यापार एकीकरण

UNCTAD देशों को वैश्विक व्यापार प्रणाली में एकीकृत होने में मदद करता है ताकि वे अपने व्यापार को बढ़ावा दे सकें



3

अर्थव्यवस्था विविधीकरण

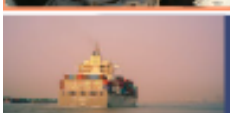
UNCTAD देशों को अपने अर्थव्यवस्थाओं में विविधता लाने में मदद करता है ताकि वे विभिन्न उत्पादों पर कम निर्भर रहे।



4

वित्तीय स्थिरता

UNCTAD देशों को वित्तीय अस्थिरता और ऋण के जोखिम को कम करने में मदद करता है।



5

निवेश आकर्षण

UNCTAD देशों को विकास-अनुकूल निवेश आकर्षित करने में मदद करता है ताकि वे अपनी अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत कर सकें।



6

डिजिटल प्रौद्योगिकी

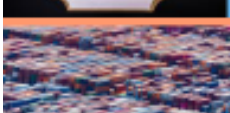
UNCTAD देशों को डिजिटल तकनीकों की पहुँच बढ़ाने में मदद करता है ताकि वे विकास में तेजी ला सकें।



7

उद्यमिता प्रोत्साहन

UNCTAD देशों में उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा देने में मदद करता है ताकि वे नए व्यवसाय बना सकें।



8

मूल्य श्रृंखला में वृद्धि

UNCTAD स्थानीय फर्मों को मूल्य श्रृंखलाओं में ऊपर चढ़ने में मदद करता है ताकि वे अधिक मूल्य जोड़ सकें।



9

सीमा पार माल

UNCTAD सीमा पार माल के आवागमन को तेज करने में मदद करता है ताकि व्यापार को आसान बनाया जा सके।



10

उपभोक्ता संरक्षण

UNCTAD उपभोक्ताओं को शोषण से बचाने के लिए काम करता है और उन्हें अपने अधिकारों के बारे में शिक्षित करता है।



11

प्रतिस्पर्धा नियंत्रण

UNCTAD देशों में प्रतिस्पर्धा को अवरुद्ध करने वाले विनियमों को नियंत्रित करने में मदद करता है ताकि बाजार अधिक न्यायसंगत हो।



12

जलवायु अनुकूलन

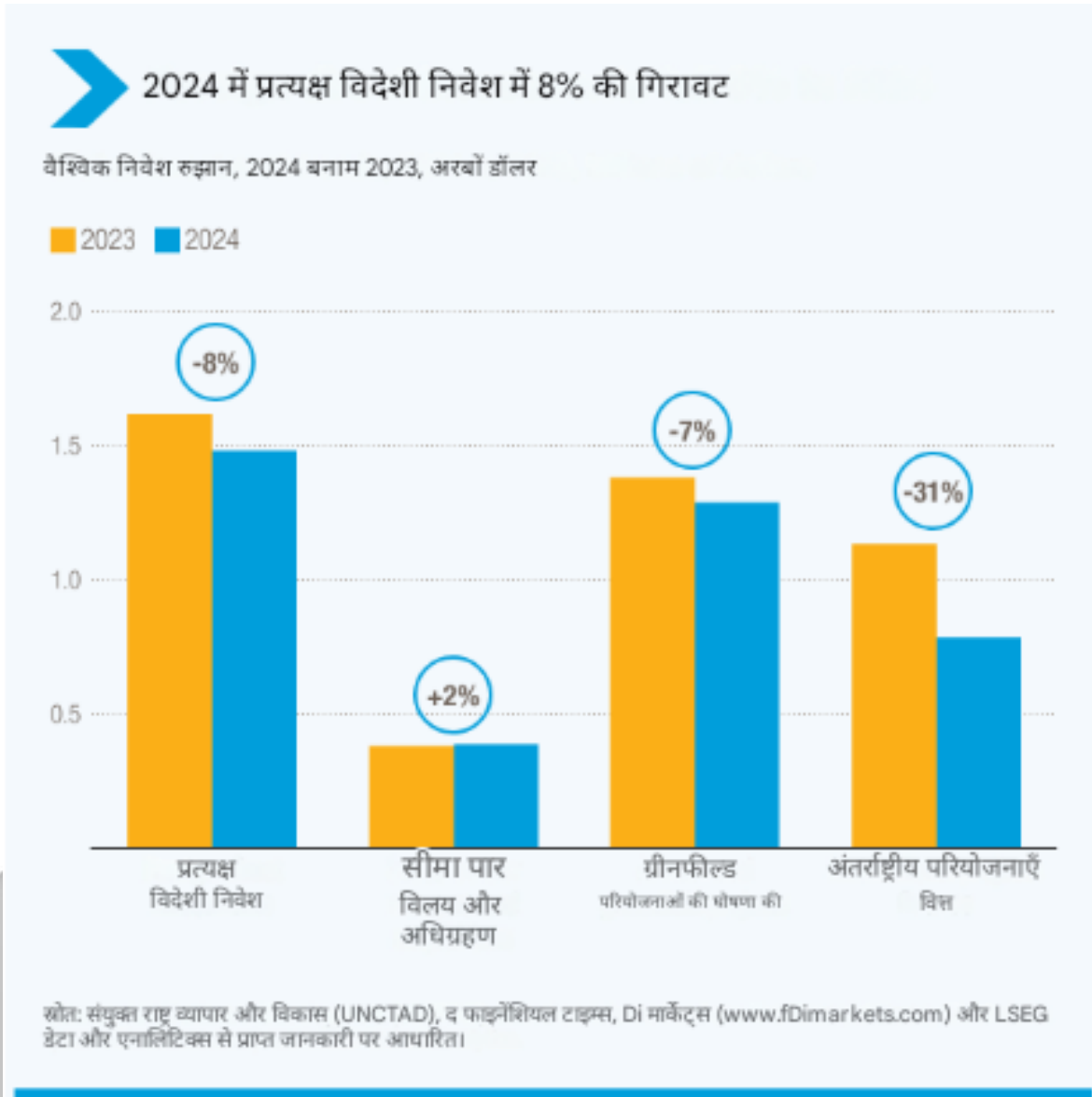
UNCTAD देशों को जलवायु परिवर्तन से अनुकूलन करने और प्राकृतिक संसाधनों का अधिक प्रभावी उपयोग करने में मदद करता है।

वर्ष 2024 के लिये ग्लोबल इन्वेस्टमेंट ट्रेंड्स मॉनटर रिपोर्ट की मुख्य वशेषताएँ क्या हैं?

■ वैश्विक FDI रुझान :

- वैश्विक FDI: वैश्विक **प्रत्यक्ष वदेशी निवेश (FDI)** प्रवाह 11% बढ़कर वर्ष 2024 में लगभग 1.4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया। हालाँकि, यूरोपीय कंडिटि अर्थव्यवस्थाओं के माध्यम से प्रवाह को छोड़कर, FDI में लगभग 8% की कमी आई।
 - कंडिटि अर्थव्यवस्थाएँ (Conduit Economies) वे देश हैं जो **कर से बचने** के लिये वित्तीय प्रवाह को अन्य देशों में स्थानांतरित करने की अनुमति देते हैं। उदाहरण: आयरलैंड, लक्जमबर्ग, नीदरलैंड, स्विट्जरलैंड और UK।

- **वकिसति अर्थव्यवस्थाएँ:** वकिसति अर्थव्यवस्थाओं में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) में **43% की वृद्धि** हुई, जो मुख्य रूप से बहुराष्ट्रीय लेन-देन के माध्यम से हुई।
 - हालाँकि, इन लेनदेन को छोड़कर, वकिसति अर्थव्यवस्थाओं में FDI में **15%** की गिरावट आई।
- **विकासशील अर्थव्यवस्थाएँ:** विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में FDI प्रवाह में वर्ष 2023 में 6% की गिरावट के बाद वर्ष 2024 में 2% की गिरावट आई।



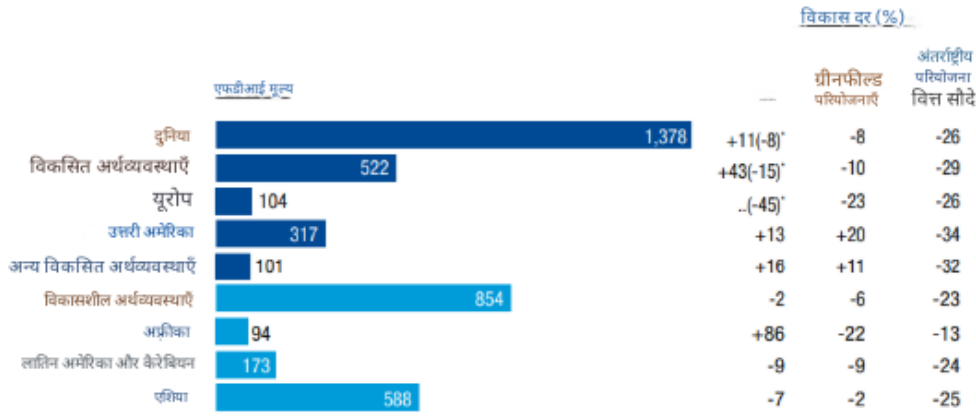
■ क्षेत्रीय निवेश रुझान:

- **वकिसति अर्थव्यवस्थाएँ:**
 - यूरोप में FDI में **45% की गिरावट** आई (कंडटि अर्थव्यवस्थाओं को छोड़कर) लेकिन **उत्तरी अमेरिका में 13% की वृद्धि** देखी गई।
 - **वकिसति अर्थव्यवस्थाओं में ग्रीनफील्ड परियोजना घोषणाओं में 10% की गिरावट आई**, लेकिन ग्रीनफील्ड परियोजनाओं के मूल्य में 15% की वृद्धि हुई, जिसका मुख्य कारण सेमीकंडक्टर मेगाप्रोजेक्ट्स थे।
- **विकासशील अर्थव्यवस्थाएँ:**
 - **ग्रीनफील्ड निवेश घोषणाओं की संख्या में 6% की कमी आई।**
 - अफ्रीका और एशिया में ग्रीनफील्ड परियोजनाओं की संख्या में सबसे अधिक गिरावट देखी गई, अफ्रीका में लगभग 200 परियोजनाएँ कम हुईं तथा एशिया में 150 परियोजनाएँ कम हुईं।
 - **लैटिन अमेरिका और कैरिबियन में भी इसमें कमी आई।**
 - **अफ्रीका में FDI 84% बढ़कर 94 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया**, जिसका मुख्य कारण मसिर में एक बड़ी परियोजना है।
 - **मध्य अमेरिका में FDI में वृद्धि हुई है।**
 - **विकासशील एशिया में FDI प्रवाह में 7% की कमी आई**, जिसमें **चीन में 29% की गिरावट आई**, जबकि **आसियान में 2% और भारत में 13% की वृद्धि** देखी गई।
 - **भारत में ग्रीनफील्ड परियोजनाओं में वृद्धि देखी गई।** भारत में अंतर्राष्ट्रीय परियोजना वित्तपोषण में संख्या की दृष्टि से 23% तथा मूल्य की दृष्टि से 33% की गिरावट आई।



चित्र 2

क्षेत्रीय निवेश रुझान, 2024 बनाम 2023



स्रोत: यूएनसीटीएडी, द फाइनेंशियल टाइम्स, एफडीआई मार्केट्स (www.fDimarkets.com) और एलएसईजी डेटा एंड एनालिटिक्स से प्राप्त जानकारी पर आधारित।

■ SDG-संबंधित निवेश:

- बुनियादी ढाँचे, कृषि खाद्य प्रणालियों और जल एवं स्वच्छता सहित सतत विकास लक्ष्यों से संबंधित क्षेत्रों में निवेश वर्ष 2024 में 11% कम हो गया।
- यह गरीबों को कृषि और स्वच्छ ऊर्जा (SDG 7), उद्योग एवं बुनियादी ढाँचा (SDG 9), तथा जल एवं स्वच्छता (SDG 6) जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को प्रभावित कर सकती है।
- नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना वित्तपोषण धीमा हो गया, अंतर्राष्ट्रीय सौदों में 16% की कमी आई, तथा घरेलू वित्तपोषण में 60% तक कम हो गया।

UNCTAD रपॉर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में वैश्विक FDI की क्या संभावनाएँ हैं?

■ वैश्विक FDI परदृश्य:

- वैश्विक FDI में मध्यम वृद्धि की उम्मीद है, तथा अमेरिका और यूरोपीय संघ में मजबूत वृद्धि का अनुमान है।
 - घरेलू परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित होने के कारण वदेशों में अमेरिकी निवेश में कमी आई है, जबकि वदेशों में चीनी निवेश में वृद्धि हुई है।
- आसियान, पूर्वी यूरोप, पश्चिमी एशिया, उत्तरी अफ्रीका और मध्य अमेरिका वैश्विक आपूर्ति शृंखला में बदलाव से लाभान्वित हो सकते हैं।
- भारत के लिये, वर्ष 2025 में मध्यम FDI वृद्धि का अनुमान है, जो बेहतर वित्तपोषण स्थितियों, वलिय और अधिग्रहण (M&A) में वृद्धि और चल रहे सुधारों से प्रेरित है।

■ प्रमुख प्रभावित करने वाले कारक:

- FDI वृद्धि सकल घरेलू उत्पाद, व्यापार, मुद्रास्फीति, बाजार में अस्थिरता, भू-राजनीतिक गतिशीलता, प्रौद्योगिकी उन्नति और नीतिगत परिवर्तनों पर निर्भर करेगी।
- नज्दी इक्विटी और संप्रभु निवेशकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

■ आर्थिक विकास:

- पूंजी निर्माण और व्यापार के लिये बेहतर अनुमानों के साथ स्थिर सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि की उम्मीद है, जिससे वैश्विक निवेश को लाभ होगा।
- अपेक्षाकृत नम्र ब्याज दरों से ऋण ग्रहण की लागत कम हो सकती है, जिससे, विशेष रूप से बुनियादी ढाँचे में, सीमा पार निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

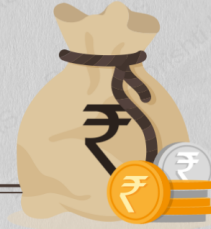
■ प्रौद्योगिकी एवं क्षेत्र रुझान:

- AI, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और नवीकरणीय ऊर्जा (ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रिक वाहन) जैसे क्षेत्रों में निवेश बढ़ने की उम्मीद है।

प्रत्यक्ष वदेशी निवेश (FDI) क्या है?

परिचय:

FDI और FPI



प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI)

FDI:

- किसी दूसरे देश में स्थित व्यवसायों और संपत्तियों में विदेशी संस्थाओं/व्यक्तियों द्वारा किया गया निवेश

FDI के अंतर्वाह हेतु मार्ग:

■ स्वचालित मार्ग:

- ◆ किसी पूर्व सरकारी स्वीकृति की आवश्यकता नहीं है
- ◆ गैर-महत्वपूर्ण क्षेत्रों में 100% तक की अनुमति

■ सरकारी मार्ग:

- ◆ कुछ क्षेत्रों में या विशिष्ट सीमा से ऊपर के निवेश के लिये आवश्यक
- ◆ उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) और RBI द्वारा प्रशासित

स्वचालित और सरकारी रूट के माध्यम से स्वीकृति के उदाहरण:

- बैंकिंग (निजी क्षेत्र): 49% तक (स्वायत्त) + 49% से ऊपर और 74% तक (सरकारी)
- रक्षा: 74% तक (स्वायत्त) + 74% से अधिक (सरकारी)
- हेल्थकेयर (ब्राउनफील्ड): 74% तक (स्वायत्त) + 74% से ऊपर (सरकारी)
- दूरसंचार सेवाएँ: 49% तक (स्वायत्त) + 49% से अधिक (सरकारी)

विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड (FIPB):

- वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आता है
- FDI प्रस्तावों को संसाधित करने के लिये जिम्मेदार - विदेशी निवेश सुविधा पोर्टल (FIP) द्वारा सुविधा प्रदान की गई
- सरकार की मंजूरी के लिये सिफारिशें करना

भारत (चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यांमार और अफगानिस्तान) के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से FDI के लिये सरकार की पूर्व स्वीकृति अनिवार्य है।

भारत के शीर्ष 5 FDI स्रोत (वित्त वर्ष 2022-23):

- मॉरीशस
- सिंगापुर
- अमेरिका
- नीदरलैंड
- जापान

FDI आकर्षित करने वाले भारत के शीर्ष क्षेत्र (वित्त वर्ष 2022-23):

- सेवा क्षेत्र
- कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर
- व्यापार
- दूरसंचार
- ऑटोमोबाइल उद्योग



विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (FPI)

FPI:

- वित्तीय संपत्तियों में विदेशी व्यक्तियों, संस्थानों या निधियों द्वारा किये गए निवेश
- फ्लॉइ बाय नाइट या हॉट मनी के नाम से जाना जाता है

महत्वपूर्ण विशेषताएँ:

- स्वामित्व प्राप्त किये बिना वित्तीय संपत्तियों की खरीद होती है
- निष्क्रिय निवेश दृष्टिकोण
- निवेशक लाभांश, ब्याज और पूंजी वृद्धि के माध्यम से रिटर्न अर्जित करते हैं

उदाहरण:

- स्टॉक, बॉण्ड आदि।

नियामक संस्था:

- भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (SEBI)

FDI और FPI के बीच अंतर

विशेषताएँ	FDI	FPI
निवेश की प्रकृति	दीर्घकालिक	अल्पकालिक
उद्देश्य	दूसरे देश में दीर्घकालिक निवेश	निवेश पर त्वरित रिटर्न अर्जित करना
नियंत्रण	महत्वपूर्ण (निवेशित इकाई पर)	नहीं या सीमित नियंत्रण
निवेश	मूल संपत्ति (जैसे, कारखाने, भवन)	वित्तीय संपत्ति (जैसे, स्टॉक, बॉण्ड)
रिटर्न	लाभ, लाभांश और पूंजी अभिमूल्यन	लाभांश, ब्याज, और पूंजी अभिमूल्यन
नीति विनियम	सरकार की नीतियाँ और क्षेत्र-विशिष्ट नियम	लचीले नियम और आसान प्रवेश/निकास
अर्थव्यवस्था पर प्रभाव	रोज़गार सृजन, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और आर्थिक विकास	अल्पकालिक तरलता प्रदान करता है और शेयर बाजार को प्रभावित करता है



FDI के प्रकार:

- **ग्रीनफील्ड निवेश:** बहुत अधिक नियंत्रण और नजीकरण के साथ **नई कंपनी की शुरुआत** करना।
- **ब्राउनफील्ड निवेश:** मौजूदा सुविधाओं का उपयोग करके **विलय, अधिग्रहण या संयुक्त उद्यम के माध्यम से वसतिार** करना।
 - संगठन द्वारा पहले से मौजूद संरचनाओं के उपयोग के कारण, **ग्रीनफील्ड परियोजनाओं की तरह नियंत्रण उतना अधिक नहीं हो सकता है**, यद्यपि पर्याप्त परचालन प्रभाव की अभी भी अनुमति है।

भारत में FDI:

- **वर्तमान:** भारत में FDI **वैदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA), 1999** द्वारा वर्णित होता है, और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (DPIIT) द्वारा प्रशासित होता है।
- **भारत में FDI निषिद्ध:** परमाणु ऊर्जा उत्पादन, जुआ और सट्टेबाजी, लॉटरी, चट्टि फंड, रियल एस्टेट और तंबाकू व्यवसाय जैसे उद्योगों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पूर्णतया वर्जित है।
- **FDI से संबंधित नवीनतम आंकड़े:** अप्रैल 2000 से सितंबर 2024 की अवधि में भारत में FDI अंतर्वाह **1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर** से अधिक रहा, जो कुल **1,033.40 बिलियन अमेरिकी डॉलर** है।
 - वर्ष 2014 से वर्ष 2024 तक भारत ने **667.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर का संचयी FDI आकर्षण** किया, जो वर्ष 2004 से वर्ष 2014 की अवधि में प्राप्त FDI से **119% अधिक** है।

भारत में FDI से संबंधित अवसर और चुनौतियाँ क्या हैं?

■ भारत में FDI के अवसर:

- बाज़ार का विशाल आकार और संवृद्धि: भारत की 1.4 अरब की जनसंख्या वहनयोग्य और उच्च मूल्य वाली वस्तुओं की उच्च मांग को बढ़ावा देती है।
 - भारत सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और **IMF** के अनुसार वर्ष 2025-2026 में इसकी GDP में 6.5% की दर से वृद्धि होने के अनुमान है।
- अनुकूल जनसांख्यिकी: युवा कार्यबल (65% से अधिक कार्यबल 35 वर्ष से कम आयु) अपेक्षाकृत कुशल और सस्ता श्रम पूल प्रदान करता है।
- सरकारी पहल: "मेक इन इंडिया", "आत्मनिर्भर भारत" और इज़ ऑफ़ ड्रइंग बज़िनेस जैसे सुधारों से आवश्यकताओं को सुव्यवस्थिति किया गया और FDI आकर्षित करने के उद्देश्य से भारत को एक अनुकूल गंतव्य बनाया गया।
- रणनीतिक अवस्थिति: भारत की अवस्थिति दक्षिण एशिया, मध्य पूर्व और दक्षिण पूर्व एशिया के उभरते बाज़ारों के लिये प्रवेश द्वार के रूप में है।

■ FDI आकर्षित करने के समक्ष चुनौतियाँ:

- वनियामक बाधाएँ: जटिल कर प्रणालियाँ, असंगत नीतियाँ (**प्रवर्धनीय कराधान**), और नौकरशाही व्यवस्था संबंधी विलंब से व्यवसाय संचालन में बाधा उत्पन्न होती है।
- बुनियादी ढाँचे की चुनौतियाँ: अनुपयुक्त बुनियादी ढाँचे से, विशेष रूप से ग्रामीण और उपनगरीय क्षेत्रों में, व्यापार करने सुगमता सीमित हो जाती है।
- श्रम कानून: कठोर **श्रम कानून** और श्रम बाज़ार के सीमित अनुकूलन से व्यवसायों के लिये चुनौतियाँ उत्पन्न होती हैं।

■ नविशकों से अपेक्षाएँ:

- प्रौद्योगिकी अंतरण: भारत **वनिरमाण**, स्वास्थ्य सेवा और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में वदेशी विशेषज्ञता और प्रौद्योगिकी की मांग करता है।
- रोज़गार सृजन: नविशकों से भारत के बढ़ते कार्यबल के लिये रोज़गार के अवसर सृजित करने की अपेक्षा की जाती है।
- सतत नविश: भारत अपने जलवायु लक्ष्यों (जैसे, **राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्य योजना**) को पूरा करने हेतु हरित और सतत नविश को प्रोत्साहित करता है।

नबिक्षरूष

भारत का व्यापक बाज़ार, आर्थिक विकास और अनुकूल जनसांख्यिकी FDI के लिये महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। हालाँकि "मेक इन इंडिया" जैसी सरकारी पहलों से एक अनुकूल परविश तैयार होता है कति **वनियामक बाधाओं और बुनियादी ढाँचे का अभाव** जैसी चुनौतियाँ बनी हुई हैं। नविशक वर्ग संभवतः **प्रौद्योगिकी अंतरण, रोज़गार सृजन और सतत विकास** में योगदान देंगे, जिससे आर्थिक और साथ ही सामाजिक विकास लक्ष्यों को पूरा करने में सहायता मिलेगी।

दृष्टमिन्स प्रश्न:

प्रश्न. भारत की प्रतसिप्रदधात्मकता और नवाचार पारसिथितिकी तन्त्र का वर्धन करने में प्रत्यक्ष वदेशी नविश (FDI) की भूमिका की वविचना कीजिये। वैश्विक प्रतसिप्रदधात्मकता में होने वाले सुधार का FDI अंतरवाह पर क्या प्रभाव पड़ता है?

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

?????????:

प्रश्न. भारत में प्रत्यक्ष वदेशी नविश के संदर्भ में नमिनलखिति में से कौन-सी उसकी प्रमुख वशिषता मानी जाती है? (2020)

- यह मूलतः किसी सूचीबद्ध कंपनी में पूंजीगत साधनों द्वारा किया जाने वाला नविश है।
- यह मुख्यतः ऋण सृजित न करने वाला पूंजी प्रवाह है।
- यह ऐसा नविश है जिससे ऋण-समाशोधन अपेक्षित होता है।
- यह वदेशी संस्थागत नविशकों द्वारा सरकारी प्रतभित्तियों में किया जाने वाला नविश है।

उत्तर: (b)

प्रश्न. नमिनलखिति पर वचार कीजिये: (2021)

- वदेशी मुद्रा संपरवर्तनीय बॉण्ड
- कुछ शर्तों के साथ वदेशी संस्थागत नविश
- वैश्विक नकिषेपागार (डिपॉजिटरी) प्राप्तायाँ
- अनविासी वदेशी जमा

उपर्युक्त में से कसि/कनिहें वदेशी प्रत्यक्ष नविश में सम्मलित किया जा सकता है/किय जा सकते हैं?

- 1, 2 और 3

- (b) केवल 3
- (c) 2 और 4
- (d) 1 और 4

उत्तर: (a)

??????:

प्रश्न. भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में एफ.डी.आई की आवश्यकता की पुष्टि कीजिये। हस्ताक्षरित समझौता-ज्जापनों तथा वास्तविक एफ.डी.आई के बीच अंतर क्यों है? भारत में वास्तविक एफ.डी.आई को बढ़ाने के लिये सुधारात्मक कदम सुझाइये। (2016)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/unctad-global-investment-trends-monitor-report>

